भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दक्षिण सबजोनल ब्यूरो

प्रेस व्यक्तव्य दिनांकः 24/11/2023

पीएलजीए की 23वीं वर्षगांठ को दिसम्बर 2 से 8 तक सब जोन इलाके में हर्षोल्लास और दृढ़संकल्प के साथ मनाएं!
दुश्मन के प्रतिक्रांतिकारी सूरजकुंड रणनीतिक हमले को परास्त करें!
वर्गसंघर्ष व गुरिल्ला युद्ध को व्यापक व तेज करें!

प्यारे जनता व बुद्धिजीवियों !

दक्षिण सबजोनल ब्यूरो आह्वान करती है कि पीएलजीए की 23वां वर्षगांठ के संदर्भ में हमारी केंद्रीय मिलिटरी कमिशन द्वारा दिये गये कर्तव्यों को सफल बनाओं. पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जनसंगठन, क्रांतिकारी जनता क्रांतिकारी बुद्धिजीवियों दिसम्बर 2 तारीख से एक सप्ताह भर पीएलजीए की वर्षगांठ को मनाएं. हमारे देश में नवजनवादी क्रांति को सफल बनाने के लक्ष्य से भा.क.पा (माओवादी) के नेतृत्व में दीर्घकालिन जनयुद्ध के जरिए हमारी पीएलजीए पिछले 23 सालों से दुश्मन के खिलाफ वीरतापूर्वक लड़ाई करते आ रही हैं. इस अवसर पर अपने कर्तव्यों को याद करते हुए अमर शहीदों की बलिदानों से प्रेरणा लेकर दृढ़संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे. पीएलजीए को विस्तार व मजबूत करेंगे.

भारत की नवजनवादी क्रांति को सफल बनाने के लक्ष्य से लड़ते हुए विगत 11 महीनों से (दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक) देशभर में 54 कामरेड शहीद हुए. केंद्रीय कमेटी, पोलित ब्यूरो सदस्य कामरेड आनंद (कटकम सुदर्शन, दुला दादा), राज्य कमेटी सदस्य कामरेड एलएसएन मूर्ति, बीएनपीसी सदस्य कामरेड वसंत, पश्चिम बस्तर डिविजन कमेटी सदस्य कामरेड नागेश (पद्दम रामाल), बिहार–झारखंड में 9 कामरेड, पश्चिम बंग में एक कामरेड, तेलंगाना में 6 कामरेड, दंडकारण्य में 26 कामरेड, महाराष्ट्र–मध्यप्रदेश–छत्तीसगढ़ (एमएमसी) में चार कामरेड, आंध्र–ओड़िशा सीमा जोन (एओबी) में एक कामरेड, ओडिशा में पांच कामरेड, आंध्रप्रदेश में एक कामरेड, शहीद हुए. इनमें 17 महिला कामरेड हैं.

केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा 2017–022 के बीच के समय में प्रतिक्रांतिकारी 'समाधान' रणनीतिक हमले से उनका लक्ष्य पूरा नहीं हुआ, इसलिए 2022 में हरियाणा के सूरजकुंड में केंद्र व राज्य सरकार प्रतिक्रांतिकारी सूरजकुंड रणनीतिक योजना बनायीं. इस हमले को हमारी पार्टी के नेतृत्व में पीएलजीए, जनता एवं मित्र शक्तियों द्वारा शहरी, मैदानी एवं जंगली इलाकों में बहुआयामी कार्यनीति के साथ साहसिक रूप से प्रतिरोध किया जा रहा है. वर्ग संघर्ष–गेरिल्ला युद्ध–जनांदोलन को जोड़कर क्रांतिकारी आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं. दुश्मन के सैनिक योजनाओं को विफल करते हुए नया–नया प्रतिदॉवपेंच बनाकर दुश्मन को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. दुश्मन ने सब जोन इलाके में (बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा) बहुत रफ्तार से नया–नया कैंप बिठाया जा रहा है. हमारी पीएलजीए ने गुरिल्ला युद्ध के जरिए वीरोचित प्रतिरोध करते हुए दुश्मन की कोशिशों को नकाम कर रही है.

इस साल जगरगुंडा, कुदेंड कैंपों के बीच में दुश्मन के बलों को सफाया करके हथियार जप्त किये थे. पुलिस कैंपों के ऊपर बहुत बार सेलिंग और फायरिंग भी किये थे. इस कारण से कुछ पुलिस कैंपों से नौकरी छोड़कर भाग गए. अरनपुर घटना दुश्मन को बहुत प्रकंपित किया था. दुश्मन का सप्लाई व्यवस्था को भी कुछ हद तक ध्वस्त भी किये है. 26 अप्रैल को अरनपुर–समेली के बीच बारूदी सुरंग विफोस्ट कर 10 डीआरजी गुडों को हमारी पीएलजीए ने उन्मूलन किया. इस टीसीओसी के दौरान एक बड़ा, दो मझोले किस्म और 8 छोटे किस्म की कार्रवाईयों को पीएलजीए द्वारा अंजाम दिया गया. इनमें 26 पुलिस को उन्मूलकर 35 पुलिस को घायल किया गया. 3 हथियार, सैकडों कारतूस एवं अन्य युद्ध समाग्री को जप्त किया है. इसी समय में 7 पुलिस मुखबिरों, 3 गोपनीय सैनिकों, 3 सीआईडी को एक बीजेपी नेता, एक आरएसएस गुंडा को सफाया किया गया. 10 जगहओं पर सबोटेज कार्रवाई करके सरकारी संपत्ति, दलाल नौकरशाह पूंजीपतियों की संपत्ति एवं जनविरोधियों की संपत्तियों को ध्वस्त किया गया. सब जोन में सैकड़ों स्पाइक होल्स लगाकर कुछ पुलिस बलों को घायल किया गया. इस प्रकार 2023 टीसीओसी सफल हुआ है. जनता में हर्षोल्लास का महौल बना हुआ है. इन युद्ध कार्रवाईयों के साथ पार्टी और पीएलजीए का कतारों में कुछ राजनीतिक, मिलिटरी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाएं हैं.

दुश्मन ने 2023 जनवरी 11 तारीख बोट्टेतोंग गांव के नजदीक बटालियन पर ड्रोन और हेलिकॉप्टर के साथ हमला किये थे. उस हमले को पलटवार करते हुए हमारी पीएलजीए योद्धाओं ने पीएलजीए ने साहसिक रूप से जवाबी हमला कर गरूड़ एवं एनएसजी के 3 कमांडो का उन्मूलन कर, 6 को घायल किया गया. एक हेलिकॉप्टर पूरा क्षतिग्रश्त हो गया, दूसरा हेलिकॉप्टर को भी नुकसान हुआ था. इस तरह दुश्मन की बड़ी योजना को विफल किये है. इस हमले में हमारी पीएलजीए सदस्या कॉ. पोट्टामी उंगी शहीद हुई थी. युद्ध कार्रवाईयों में यह एक नया अनुभव है. इस कार्रवाई के बाद दुश्मन का योजना लड़खड़ा गया.

राज्य और देश में राजनीतिक, आर्थिक, परिस्थिति को देखें तो केंद्र का मोदी सरकार देश की प्राकृतिक संपत्ति जैसे कोयला, लोहा, बक्साइट, योरोनियम, नेचुरल गेस को अंबनी, अदानी, टाटा, जिंदल, मितल, वेदंता को दे रहे है. संसदीय बैठकों में अपनी भीड़ के बल पर पारित किए तमाम कानूनों का मकसद है, देश में ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी हिंदू राष्ट्र (हिंदू देश) की स्थापना एवं साम्राज्यवादी शोषण को बढ़ावा देना. इसमें विशेषकर वन संरक्षण कानून, खदान व खनिज

विकास नियंत्रण कानून, डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन कानून, भारतीय न्याय संहिता बिल, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बिल, भारतीय साक्ष्य बिल शीघ्र कानून बनने वाले हैं, जो 'हिंदू राष्ट्र' की स्थापना, कार्पोरेटीकरण व सैन्यकरण, कुल मिलाकर निरंकुश व केंद्रीकृत राज्य व्यवस्था की स्थापना के लिए वैधता प्रदान करती है, और भारतीय संविधान को बदल देती है.

मणिपुर में भरपूर प्राकृतिक संपदाओं को आश्रित बड़े दलाल पूंजीपतियों अदानी व अंबानी को सौंपने की योजना के तहत, उस राज्य में मेइतीयों को अपने पक्ष में लेकर प्रधान मंत्री मोदी ने कुकी, नगा, आदिवासी जातियों पर हत्याकांड करा रहे हैं. महिलाओं के लिए 23 प्रतिशत अरक्षण मोदी का एक जुमलेबाजी है. जनगणना और परिसिमन मामला महिला अक्षरण को जोड़ दिया है, यह लागू होने वाला नहीं है. फासीवादी भाजपा इन 10 सालों से देशभर में दलितों के ऊपर अत्याचार–हत्या बढ़ा रही है. पेसा कानून को शक्तिहीन बनाया है. खनिज संपत्ति को कार्पोरेट काम्पनियों को देने के लिए वन संरक्षण अधिनियम कानून–2023, खदान व खनिज नियंत्रण कानून ला रहे हैं. इन जनविरोधी परियोजनाओं के चलते प्रदूषण बढ़ रहा है. फलस्वरूप पूरा देश का जनता के लिए खतरा बढ़ रहा है. जहां–तहां आदिवासी इलाके में पुलिस कैंप लगा रहे है. महिलाओं के ऊपर पुलिस का अत्याचार और हत्या बढ़ती जा रही हैं.

छत्तीसगढ़ और बस्तर संभाग में आदिवासी छात्रों को जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा है. स्कूल, कॉलेजों में गुरुजियों का अभाव है. छात्रों को 20 साल पहले की दरों से छात्रवृत्ति दे रहा है. पाठ्य पुस्तक भी नहीं दे रहे है. छात्रवास का सुविधा सभी छात्राओं को नही मिल रहा है. राज्य में 80 हजार शिक्षक पोस्ट खली पड़ी है. इस प्रकार केंद्र–राज्य सरकारों ने शिक्षा को व्यापार वस्तु बनाया है. इन समस्यओं को लेकर जनांदोलन तेज करने की आवश्यकता है.

5 राज्यों के विधान सभा चुनावों के मद्देनजर फासीवादी मोदी एक के बाद एक परियोजनाओं को उद्घाटन कर रहा है. ऐसा उद्घाटनों को 2015, 2017 में भी किया था. इससे समझ में आ रहा है कि मोदी सरकार झूठ बोलने में नम्बर वन साबित हुआ है. सभी संसदीय पार्टियां झूठे वादे कर रहे हैं. इस विषय 77 सालों से साबित हो रहा है. इन सभी पार्टियां कार्पोरेट कम्पनियों को सेवा करने में अव्वल है. सभी संसदीय पार्टियां जनता में अपने आप भंडाफोड़ हो रहे हैं.जनता की मूलभूत समस्यओं को हल करने के लिए सत्ता का अधिकार मजदूर, किसान, छोटे व्यापारी, राष्ट्रीय पूंजीपति, दलित, आदिवासी, महिलाओं का हाथ में होना चाहिए. इसे के लिए सशस्त्र क्रांति रास्ता अपना के वैकल्पिक 'जनता ना राज्यसत्ता' हासिल करना है.

देश–दुनिया में क्रांति के लिए अनुकूल भौतिक परिस्थिति बढ़ रही है. करोड़ों जनता जनांदोलन में शामिल होने के लिए, पार्टी के नेतृत्व में काम करने के लिए तैयारी में है. इस अनुकूल परिस्थिति को इस्तेमाल करते हुए हमारी क्रांतिकारी आंदोलन को मजबूत करेंगे. ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादियों के खिलाफ राजनीतिक, सैद्धांतिक, सामाजिक रूप से लड़ते हुए लाखों जनता को क्रांतिकारी आंदोलन में शामिल करना है. प्रतिक्रांतिकारी सूरजकुंड योजना को विफल करते हुए अपनी नुकसानों को कम करने के लक्ष्य से पीएलजीए आगे बढ़ते हुए अमर शहीदों से प्रेरणा लेते हुए, बलिदान को आत्मसात करते हुए, हिम्मत व दृढ़संकल्प के साथ कर्तव्यों को सफल बनाने के लिए आगे बढ़ेंगे. क्रांतिकारी आंदोलन को विस्तार करते हुए 'क्रांतिकारी जनताना सरकारों' को मजबूत और विस्तार करे.

समता

प्रवक्ता

दक्षिण सबजोनल ब्यूरो

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)